दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XIX)

GENERAL STUDIES (Test - XIX)

मॉड्यूल - XIX / Module - XIX

DTVF/18(JS)–M–GS19

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Ravi Kumar Sihag

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 03/09/18 19

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

1	1	3	9	4	6	9

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Ravi Sihag

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS /250

- Introduction
- Context
- Language
- Content
- Conclusion
- Structure
- Current Link / Examples

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

दृष्टि
The Vision

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम ज़रूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-
4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित मूल्य सिविल सेवा की प्रकृति को देखते हुए महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं-
The following values are considered important in civil services-
(a) सत्यनिष्ठता/ Integrity
(b) निष्पक्षता/ Objectivity
(c) सेवा भावना/ Spirit of Service
(d) सहिष्णुता/ Tolerance
एक लोक सेवक के जीवन में उक्त मूल्यों की प्रासंगिकता का परीक्षण करें। (150 शब्द) 10
Examine the relevance of the above values in the life of a public servant. (150 words) 10

सत्यनिष्ठा :- किसी चीज से पूर्ण रूप से जुड़े होने एवं उससे पूर्ण 'आंतरिक सुसंगति' की भावना को सत्यनिष्ठा कहते हैं।

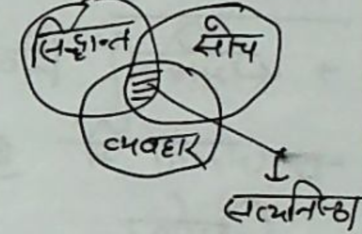

निजी | सार्वजनिक जीवन

महत्व - पदेन कर्तव्यों के निर्वहन पालन में
- प्रतिष्ठा में वृद्धि
- समाज में उच्च स्थान

- निर्णय क्षमता बेहतर
- गलती को भी अपवाद समझा जाता है।

निष्पक्षता :- निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी प्रकार के पूर्वाग्रहों, मान्यताओं से तटस्थ रहकर वस्तुनिष्ठ आधारों पर निर्णय लेना। उदाहरण के लिये - यदि एक मजिस्ट्रेट चोरी के अपराध में चोर को न देखकर उसके कृत्य के आधार पर दण्ड आरोपित करे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महत्व :- सामाजिक न्याय के क्रियान्वयन में।
- लोक - विश्वास में वृद्धि।

(c) सेवा भावना :- तात्पर्य है कि व्यक्ति या सिविल सेवक अपने पद को रोजगार या वेतन भत्तों के लालच के रूप में न लेकर 'समाजसेवा' का एक माध्यम समझे।
→ समावेशी निर्णय लेने में मदद।
→ जनता में प्रशासकों की सुदृढ़ छवि का निर्माण
→ स्वयं का चरित्र विकास।

(d) सहिष्णुता :- शाब्दिक अर्थ 'सहन करना'
दूसरे के → विचार, धर्म, आस्था, मान्यताओं आदि को।
विरोध या भिन्नता को भी सम्मानपूर्वक स्वीकार करना।
महत्व :- सांप्रदायिकता उन्मूलन में
- 'चर्चा की संस्कृति' व लोकतांत्रिक मूल्यों में बढ़ोतरी करने हेतु
- भूमण्डलीकरण के दौर में सांस्कृतिक समन्वय।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "भावनात्मक बुद्धिमत्ता कुशल प्रशासन का बेहतर उपकरण है।" भारत के बदलते प्रशासनिक परिवेश में इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

"Emotional intelligence is a potent tool for efficient administration." Discuss in context of evolving administrative system of India. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य है अपने एवं दूसरे के विचारों, भावनाओं को समझने, प्रबंधित करने की क्षमता।

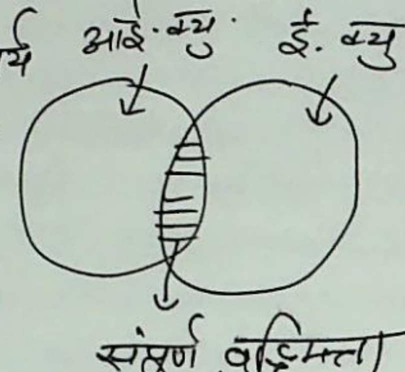

भारत के हालिया प्रशासनिक परिवेश में होने वाले परिवर्तन :-

(क) सहभागिता, पारदर्शिता, जवाबदेहिता की संस्कृति की ओर बढ़ता रूझान।

(ख) कर्मचारियों के संस्था, राज्य से भावनात्मक जुड़ाव हेतु।

(ग) नई-नई प्रौद्योगिकियों के युग में कर्मचारियों का नकारात्मक रवैया।

(घ) कर्मचारियों में बढ़ता तनाव।

(ङ.) बदलती कार्य संस्कृति।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उदाहरण के लिये आज के युग में सुशासन के स्तंभों (कानून का शासन, जवाबदेही, पारदर्शिता आदि) को लागू करवाने के लिये केवल बुद्धिमान शासक की नहीं 'भावनात्मक बुद्धिमान' शासक की ज़रूरत है जो -

(क) कर्मचारियों का संस्था के प्रति भावनात्मक जुड़ाव मजबूत कर सके।

(ख) कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करे एवं प्रेरणा प्रदान करे।

(ग) नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु दिशा प्रदान करे।

(घ) 'तनाव प्रबंधन' में माहिर हो।

(ङ) 'दंड' के बजाय प्रोत्साहन को प्राथमिकता दे।

इन सभी तत्वों से ई. क्यू. प्रशासन में बेहतर उपकरण साबित हो सकती है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. प्रतिभा जन्मजात होती है, किंतु उसे उत्कृष्टता तक पहुँचाने के लिये निरंतर अभ्यास और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
Talent is an innate quality, but practice and training take it to excellence. Analyze. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

"करत-करत अभ्यास के
जड़मति होत सुजान।"

इन पंक्तियों का भावार्थ है कि जड़ व्यक्ति भी अभ्यास द्वारा बुद्धिमान बन जाता है तो प्रतिभायुक्त व्यक्ति हो तो कहना ही क्या!

उदाहरण के लिये अब्दुल कलाम जी जन्मजात प्रतिभा-सम्पन्न थे। किन्तु यह उनका कठोर अभ्यास एवं उचित प्रशिक्षण ही था जो उन्हें मिसाइल मैन बना पाया।

आज के युग में भी जहाँ व्यावसायिक मानदंडों में विशिष्टीकरण श्रम-विभाजन की बात चल रही है, केवल प्रतिभा पर्याप्त नहीं है। इसी के लिये ही तो सरकार द्वारा कौशल विकास जैसे कार्यक्रमों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर बल दिया जा रहा है

इस चर्चा का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि प्रशिक्षण कैसा है। 'प्रतिभा' को उत्कृष्टता तक पहुँचाने के लिए उचित प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है। उदाहरण के लिये भारत में 'खेलों के क्षेत्र में' पर्याप्त प्रतिभा मौजूद होने पर भी प्रशिक्षण का अभाव उन्हें आगे नहीं बढ़ने देता है। इसी प्रकार एक अच्छा साहित्य लिखने के लिये भी 'प्रतिभा' एक सीमा तक ही साथ देती है। आगे चलकर अभ्यास-प्रशिक्षण ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) भ्रष्टाचार को समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय नैतिकता है न कि कानून। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Ethics, and not legislation, can most effectively check corruption. Critically evaluate. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भ्रष्टाचार अन्तःकरण पर आक्रमण माना जाता है। चूँकि अन्तःकरण की बुराईयाँ आंतरिक चरित्रोत्थान द्वारा ही उन्मूलित की जा सकती हैं, बाह्य दण्डोपचार तो इसके पूरक मात्र हैं।

भारत में भ्रष्टाचार निवारण के अनेक कानून जैसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आर.टी.आई एक्ट, व्हिसल ब्लोअर एक्ट आदि विद्यमान होना; साथ ही सी.बी.आई. केन्द्रीय सतर्कता आयोग जैसे- संस्थाओं का जाल होने पर भी इस पर नियंत्रण लगाना कठिन साबित हो रहा है।

इस हेतु प्रमुख उपाय यह है कि समाज में नैतिकता का प्रचार-प्रसार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कर आंतरिक भ्रष्ट मन पर प्रहार किया जाये जैसे

(क) भ्रष्टाचार का हानियाँ बताकर
- मानसिक तनाव
- दंड का भय
- परिवार के अचित भविष्य के लिये।

(ख) अभिवृत्ति के स्तर पर शिक्षा में ईमानदारी मूल्यों का समाहन करना, बड़े महापुरुषों की उपलब्धियों का पाठ करना, समाज में 'जीरो टॉलरेंस' भ्रष्टाचार के प्रति नीति को प्रचारित करना शामिल है।

परन्तु, इसका अर्थ यह नहीं है कि कानून समाप्त कर दिये जायें। कानूनों को कड़ा बनाकर अचित अनुपालन ज़रूरी है। तभी भ्रष्टाचार रूपी दैत्य का बहुआयामी उपादानों से निराकरण संभव है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता को स्पष्ट कीजिये। एक लोक सेवक के लिये जब इन दोनों के मध्य द्वंद्व उत्पन्न हो जाए तो लोक सेवक को किसे प्राथमिकता देनी चाहिये और क्यों? 10

(150 शब्द)

Explain ethics in private and public relations. In case of a conflict between the two which one should be prioritized by a public servant and why? (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

निजी एवं सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता के बुनियादी मूल्यों में वैसे तो समानता है परन्तु एक लोकसेवक का उत्तरदायित्व वितरणमूलक न्याय, फंड प्रबंधन (सार्वजनिक) जैसे पक्षों तक होता है अतः इन दोनों क्षेत्रों में विभेद आवश्यक हो जाता है।

ईमानदारी, प्रेम, सत्य, निष्ठा, सम्मान जैसे-मूल्य निजी व सार्वजनिक संबंधों में समान है। वैसे भी - ~~एक~~ वृद्धों का सम्मान निजी जीवन में न करने वाले व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में भी ऐसी अपेक्षा नहीं की जा सकती।

एक अन्य पक्ष 'नैतिक संघर्ष' का है समलैंगिक अधिकारों को मानने वाले सेवक ~~से अधि~~ को धारा - 377 के अनुपालन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में संघर्ष का सामना करना पड़ेगा।

इसी प्रकार निजी व सार्वजनिक मूल्यों में पृथकता 'मानसिक विसंगति' को भी जन्म दे सकती है। उदाहरण के लिये अपने पुत्र को अच्छी शिक्षा देना निजी नैतिकता है परन्तु उसके लिए रिश्वत ग्रहण करना नैतिक (सार्वजनिक) नहीं है।

दोनों संबंधों में उसे सार्वजनिक संबंधों को प्रमुखता देनी होगी क्योंकि-

(क) निजी अनैतिकता केवल उसके जीवन की गुणवत्ता कम करेगी परन्तु सार्वजनिक अनैतिकता उसके समाज की।

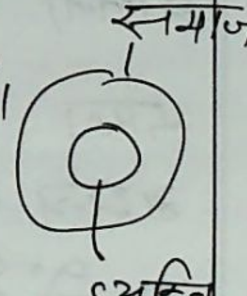

(ख) समाज पहले है, व्यक्ति बाद में।

(ग) 'सेवा' के मूल्य को बनाये रखने हेतु।

(घ) करदाताओं के धन की रक्षा हेतु।

(ङ) राज्य में लोक-विश्वास एवं स्वयं ब्यूरोक्रेसी की साख बचाये रखने हेतु।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

5. (a) "हमें दूसरों के लिये वह करना चाहिये जो हम चाहते हैं कि दूसरे हमारे लिये करें।" मानकीय नीतिशास्त्र के संदर्भ में स्पष्ट करें। (150 शब्द) 10

"Do unto others as you would have them do unto you." Explain in the context of principle of morality. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत पंक्तियाँ महात्मा गांधी की है जिनका भावार्थ यह है कि हमें किसी भी कृत्य, व्यवहार, सोच को अमलीजामा पहनाने से पहले यह विचार कर लेना चाहिये कि क्या हम स्वयं के प्रति दूसरों का यही व्यवहार चाहेंगे?

मानकीय नीतिशास्त्र के संबंध में सभी प्रकार के मूल्य इस कथन की परिधि में आते हैं। यदि सत्य बोलना 'नैतिकता' है तो हम सत्य इस कारण बोलेंगे कि अमुक व्यक्ति हमसे असत्य न कहे। ईमानदारी भरा व्यवहार दूसरों से ईमानदारी पाने की अपेक्षा से करना भी इसी सन्दर्भ में आयेगा।

जर्मन दार्शनिक 'इमैनुएल कांट'

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

का 'सार्वभौमिकता का सूत्र' (maxim) भी इसी विचार से समानता रखता है कि कोई भी कृत्य करने से पहले यह सोचना कि क्या इसे सार्वभौमिक बनाया जा सकता है?

इस नियम या विचार को मन में रखकर समाज में नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है क्योंकि हर व्यक्ति दूसरे को 'साधन' न समझकर 'साध्य' की तरह व्यवहार करेगा, जिससे 'साध्य एवं साधन की पवित्रता' भी स्वयं ही लागू हो जायेगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "आँख के बदले में आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।" इस कथन की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता बताइये। (150 शब्द) 10

"An eye for an eye will make the whole world blind." Explain the relevance of this statement in the current scenario. (150 words) 10

प्राचीन यूनानी एवं अन्य दार्शनिकों में इस प्रकार के मत प्रचलित थे – 'आँख के बदले आँख'। यहूदी धर्म में भी ईश्वर के दण्डों को अत्यन्त कठोर बताया गया है। ईसा मसीह ने इस मत का धार्मिक आधार पर खंडन किया तो आधुनिक विचारकों ने इहलौकिक तर्कों के माध्यम से।

- वर्तमान सन्दर्भ में इस कथन की प्रासंगिकता निम्न प्रकार है –

(क) 'आँख के बदले आँख' जैसे कड़े कानून (draconian law) क्षमा, उदारता, करुणा जैसे मूल्यों की उपेक्षा करते हैं।

(ख) न्याय प्रणाली में अन्य कारकों जैसे व्यक्ति का इरादा, परिस्थितियाँ, कर्ता,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृत्य आदि की अवहेलना भी इसी ~~क्र~~ ~~परिणाम~~ है सिद्धान्त में निहित है।

(ग) केवल कड़े कानूनों द्वारा शांति स्थापित नहीं की जा सकती, अपितु जनता में अभिवृत्ति परिवर्तन, नैतिक मूल्यों का विकास भी वांछनीय हैं।

(घ) वर्तमान समय में आतंकवादी जिस प्रथा का सहारा ले रहे हैं यदि वैसे नियम हम भी अपना लें तो उनमें और हममें फर्क नहीं रह जायेगा।

(ङ.) नैतिकता प्रगतिशील होती है। आज का "प्रगतिशील सत्य" इसी विचार की पुष्टि करता है कि आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।

अतः इन तर्कों से आज के सन्दर्भ में इस कथन की प्रासंगिकता असंदिग्ध है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) किसी भी समाज में ईमानदारी का स्तर दो बातों पर निर्भर करता है- पहला यह कि समाज अपने सदस्यों को क्या लक्ष्य देता है और दूसरा यह कि उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिये कौन-से साधन प्रदान करता है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The level of honesty in any society depends on two things - first, what goals the society sets for its members and second, what means the society provides to achieve those goals. Explain. (150 words) 10

किसी भी समाज में ईमानदारी से तात्पर्य हर कृत्य या प्रक्रिया में निष्पक्षता एवं स्वार्थविहीनता के द्वारा कार्यों के किये जाने का प्रयास करना एवं सत्यनिष्ठा को बनाये रखना।

समाज के लक्ष्यों की बात करें तो यदि समाज केवल 'सुख प्राप्ति' या स्वार्थ पूर्ति को लक्ष्य मानें तो ईमानदारी की संभावना कम हो जायेगी क्योंकि स्वार्थ पूर्ति को नैतिक बना देने पर इस हेतु किये गये कार्यों को भी नैतिक मानने का द्वन्द्व पैदा हो जायेगा।

यदि समाज 'साध्य' के साथ 'साधन' की पवित्रता पर भी बल देता

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है तो ईमानदारी ~~के~~ की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। जैसे रोजगार ~~प्रभाव~~ पाना यदि लक्ष्य है तो उसके साथ-साथ उचित मेहनत द्वारा ~~पानी~~ पाना भी साधन की पवित्रता है न कि नकल या अन्य माध्यमों से।

इसी प्रकार आई.एस.आई.एस. का लक्ष्य भले ही इस्लामिक राज्य की स्थापना का हो परन्तु इसके लिये वह हिंसा को भी उचित मानता है। उनके सैनिकों की ईमानदारी जान देने तक भी विस्तृत है। उनके लिये वही नैतिक है कि स्वयं जान देकर दूसरे की जान ली जाये।

इन्हीं उदाहरणों से प्रश्न के कथन को स्पष्ट किया जा सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) नैतिक शासन के लिये आवश्यक है कि 'गोपनीयता की संस्कृति' की बजाय 'पारदर्शिता की संस्कृति' विकसित की जाए। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

For ethical governance 'culture of transparency' should be promoted over 'culture of privacy'. Analyze. (150 words) 10

उपर्युक्त कथन का विश्लेषण दोनों संस्कृतियों में अंतर करके ज्ञात किया जा सकता है

गोपनीयता की संस्कृति	पारदर्शिता की संस्कृति
⇓	⇓
जनता तक सूचनाओं, जानकारी का अभाव	जनता तक सूचनाओं तक पर्याप्त पहुँच
⇓	⇓
अधिकारों के प्रति कम जागरूकता	अधिकारों के प्रति पर्याप्त जागरूकता
⇓	⇓
वंचित वर्गों का उत्थान नहीं	वंचित वर्ग भी अधिकारों व उत्थान की मांग करेंगे।
⇓	⇓
बिना सूचना निर्णय की गुणवत्ता प्रभावित।	सरकारी योजनाओं का अक्षरतः पालन होगा।
⇓	⇓
शासन में जनता की भागीदारी कम	लोगों के पास पर्याप्त सूचना से निर्णय बेहतर होंगे।
⇓	⇓
प्रशासनिक नीतियों का क्रियान्वयन धीमा	जनता के जीवन की
⇓	

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जवाबदेहिता भी कम

⇓

'सुशासन' की प्राप्ति पर प्रश्न चिह्न

⇓

प्रशासनिक दक्षता, स्पर्द्धा, घेरे में।

गुणवत्ता बेहतर होगी

(2) निरंकुश शासन पर 'अवरोध व संतुलन' कायम होगा।

(3) ~~पारद~~ जवाबदेहिता बढ़ेगी

⇓

सुशासन

नैतिक व्यवस्था

अतः किसी भी नैतिक व्यवस्था के पैमानों को पूरा पारदर्शिता की संस्कृति ही कर सकती है जो अन्ततः 'चर्चा की संस्कृति' में परिवर्तित होकर लोकतांत्रिक मूल्यों को बेहतर बनाती है। स्कैंडेनेवियन देशों का प्रशासन इसका सबसे बेहतर उदाहरण है।

कुछ हद तक गोपनीयता भी वांछनीय होती है। समाज के विकास के साथ-साथ गोपनीयता के पर्दे भी हटने चाहिये।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) किसी संगठन की कार्य संस्कृति काफी हद तक उस समाज की मूल संस्कृति से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में एक लोक सेवक के लिये अच्छी कार्य संस्कृति बनाने के लिये क्या-क्या उपाय किये जा सकते हैं? (150 शब्द) 10

The work culture of an organization reflects the foundational ethos of the society. In this context, suggest measures to be taken to create a good work culture for a public servant. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अनेक अध्ययनों द्वारा यह सिद्ध हो चुका है कि किसी संगठन की संस्कृति भी वैसी ही होती है जैसी उस समाज की मूल संस्कृति। उदा.-

- समाज में पितृसत्तात्मकता के मूल्य हैं तो संगठन में भी महिलाएँ कम होंगी व निचली सेवाओं में होंगी।
- समाज में पदसोपानिक मूल्य (जाति-व्यवस्था) होंगे तो संगठन में भी सोपानिक संस्कृति होगी। जैसे भारत में वरिष्ठ को 'सर' बुलाना एवं अमेरिका में सर नेम या पहले नाम से बुलाना।

इस सन्दर्भ को मानते हुए लोक सेवक के लिये अच्छी कार्य-संस्कृति के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निर्माण हेतु सामाजिक स्तर पर कदम उठाने चाहिये -

(क) पितृसत्तात्मक मूल्यों को कम करना। इस हेतु महिला सशक्तिकरण करना; सकारात्मक भेदभाव की नीति को आगे बढ़ाना।

(ख) वंचित वर्गों, दलितों को संगठन में उचित स्थान देना ताकि संगठन 'विविधता' को समाहित कर सके।

(ग) समाज में शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्य प्रविष्ट कराये जायें ताकि उनका 'स्पिल ओवर इफेक्ट' कार्य संस्कृति पर भी पड़े।

(घ) लैंगिक भागीदारी को संगठन व संस्कृति में बढ़ाया जाये।

(ङ) समाज में 'समानता,' 'स्वतंत्रता', बंधुत्व, आदि मूल्यों को फैलाना।

अतः इस बॉटम अप एप्रोच से भी संगठन की संस्कृति पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) प्रतिस्पर्द्धा सामान्यत: व्यक्ति की क्षमताओं में वृद्धि करती है, किंतु वर्तमान समय में प्रतिस्पर्द्धा के कारण कई नैतिक चिंताएँ उभर रही हैं। प्रतिस्पर्द्धा से उत्पन्न चिंताओं के समाधान के विकल्प सुझाएँ। (150 शब्द) 10

Competition enhances competence but these days it is also raising ethical issues. Suggest measures to address the same. (150 words) 10

एक स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा व्यक्ति को परिश्रमी बनाकर उसकी योग्यताओं में वृद्धि करती है, अपनी कार्य दक्षता में वृद्धि करती है एवं उसके कार्यों की उत्कृष्टता वांछनीयता में वृद्धि करती है, परन्तु यही प्रतिस्पर्द्धा यदि 'गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा' या केवल कुछ गुणों को आधार बनाकर वांछनीयता का मापन करने लगे तो इसके बुरे परिणाम भी निकल सकते हैं। उदाहरण -

(क) एक कक्षा में प्रथम आने वाले छात्र के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, परन्तु बाकी सभी छात्रों में ही उत्पन्न होने वाली हीनता ग्रन्थि एवं कुंठाओं का क्या?

(ख) केवल बुद्धिमत्ता को सफलता का पैमाना बनाया जाना उचित है या

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता व मूल्यों की भी भूमिका हो ?

(ग) प्रतिस्पर्द्धा के युग में आज 'साधन' की पवित्रता को भंग किया जा रहा है। उदाहरण के लिये परीक्षाओं में चलने वाली नकल।

(घ) आई.क्यु. को महत्व देने पर केवल इन्हीं विषयों (विज्ञान, गणित) से संबंधित छात्रों को महत्व देना। अन्य कलाओं की उपेक्षा।

(ङ.) भौतिकवाद एवं उपभोक्तावाद ने केवल आर्थिक लक्ष्यों के प्राप्ति को प्रतिस्पर्द्धा का आधार बना दिया है?

समाधान :(क) शिक्षा को समावेशी बनाकर, विविधता लाना - मूल्य विकास पर बल हो।

(ख) पिछड़े छात्रों पर अत्यधिक बल देकर उन्हें मुख्य धारा में लाया जाना।

(ग) मानसिक संबल हेतु ~~सबल~~ सभी विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता व मूल्यों का विकास, जो कुंठा व हीनता को कम करेगा (मानसिक तनाव प्रबंधन)

(घ) प्रतिस्पर्द्धा का आयाम केवल रोजगार तक न हो। नैतिक बनने तक भी हो।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) खेल नैतिकता से आप क्या समझते हैं? नैतिकता के अभाव में किसी भी खेल को एक 'द्वेषपूर्ण द्वंद्व' बनने में देरी नहीं लगेगी। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by sports ethics? Without ethics a sport becomes 'spiteful duel'. Critically examine. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खेल नैतिकता से तात्पर्य है कि किसी भी खेल को खेलते समय उन नैतिक मानकों का पालन करना जो खेल, स्वयं खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े सभी हितधारकों (दर्शकों आदि) के कल्याण से संबंधित है।

निष्पक्षता
↑
खेल नैतिकता

खिलाड़ी	अंपायर	अन्य हितधारकों की नैतिकता
→ निष्पक्षता	- निष्पक्षता	
- सम्मान	- गैर-पक्षपात	
→ सत्यनिष्ठा	→ वस्तुनिष्ठता	
→ निर्णयों का सम्मान		

किसी भी खेल में नैतिक मानकों के अभाव में निम्न परिणाम होंगे।

(क) 'स्पोर्ट्स मैन शिप' के बजाय गेम मैन

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtith...

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

शिप' की भावना आ जाना।
(ख) जीतने के लिये साधनों की पवित्रता से समझौता होगा।
(ग) नियमों को तोड़ने का प्रयास (मौका मिलते ही किया जायेगा।
(घ) रेफरी का सम्मान, दर्शकों के प्रति सम्मान की भावना का अभाव।
(ङ) दूसरी टीम के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी समझकर शत्रुतापूर्ण व्यवहार होगा।

इन्हीं कारणों से आज खेल में डोपिंग, स्लेजिंग, नस्लवादी टिप्पणियाँ आदि प्रमुख अनैतिक गतिविधियाँ।

इन्हें रोकने हेतु चाहिये कि उचित खेल नैतिकता की संहिता का पालन खेल से जुड़े हर व्यक्ति से करवाया जाये। नैतिक प्रशिक्षण दिया जाए एवं मेसी, रूनी, धोनी जैसे खिलाड़ियों के उदाहरण स्थापित किये जायें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) मीडिया एथिक्स से आप क्या समझते हैं? वर्तमान में मीडिया एथिक्स की स्थिति का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by media ethics? Critically examine the present status of media ethics. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

मीडिया के सभी उपादानों (जैसे - प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरटेनमेंट मीडिया) द्वारा सामाजिक हित के लिये अपनाये जाने वाले नैतिक प्रतिमानों को 'मीडिया एथिक्स' कहा जाता है।

इनमें मुख्यतः है-

(क) राजनीतिक तटस्थता।

(ख) किसी भी तथ्य को प्रस्तुत करने से पूर्व उसकी जाँच करना।

(ग) भेदभावपूर्ण एवं पूर्वाग्रह-युक्त खबरों का प्रकाशन न करना।

(घ) खबरों की वस्तुनिष्ठता बनाये रखना।

(ङ.) समाज में शांति-व्यवस्था बनाये रखना एवं भड़काऊ खबरों का प्रसारण न करना।

वर्तमान में मीडिया एथिक्स के प्रतिमानों का संकट पैदा हो रहा है, जिसकी बानगियाँ

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook...

इस प्रकार हैं -

(क) 'पैड-न्यूज' की घटनाएँ (चुनावों के दौरान।

(ख) न्यूज चैनलों एवं अखबारों की राजनीतिक झुकाव।

(ग) सोशल मीडिया में चल रहे घृणित दृश्य, भड़काऊ भाषण, फेक न्यूज़, हेट स्पीच जो सामाजिक सौहार्द नष्ट कर रहे हैं।

(घ) येलो न्यूज, मीडिया ट्रायल जैसे मुद्दे।

(ङ.) मत परिवर्तन, निजता का उल्लंघन, स्टिंग ऑपरेशन के मुद्दे (उदा० कैम्ब्रिज एनालिटिका का हालिया मुद्दा)

इस प्रकार वर्तमान में भारत में मीडिया एथिक्स की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इस हेतु व्यापक आचार संहिता निर्माण करना; इंटरनेट प्रोवाइडर कंपनियों का सहयोग लेना; फेसबुक, गूगल जैसी कंपनियों के सहयोग; सामाजिक नियंत्रण (मीडिया पर) आदि प्रयास किये जाने चाहिये।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

9. प्रकाश झा बाढ़ से प्रभावित राज्य में सहायता आयुक्त हैं। राज्य में अधिक वर्षा होने पर जलभराव के कारण ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आ जाती है जिससे बोई हुई फसलें पानी में डूब जाती हैं। तो वहीं कुछ लोगों ने इस आपदा को लाभ कमाने का अनैतिक धंधा बना लिया है। जैसे ही बाढ़ की खबरें अखबारों में छपती हैं और टेलीविज़न चैनलों में प्रसारित होती हैं, प्रभावित ज़िलों में पटवारियों के कार्यालयों में बाढ़ राहत हेतु अनुरोधों की बाढ़ आ जाती है। यदि किसी गाँव का 10 प्रतिशत भू-भाग भी प्रभावित हुआ है तो इसमें भी 95-99 प्रतिशत लोग बाढ़ राहत के लिये आवेदन दे देते हैं। सर्वाधिक दयनीय स्थिति यह है कि हानियों का सर्वेक्षण केवल कागज़ों पर ही किया जा रहा है। पंचायत के कर्मचारी व गाँव के दबंग लोग सर्वेक्षण दल को वही सब लिखने के लिये दबाव डालते हैं, जो वे कहते हैं। प्रकाश झा को अगले सप्ताह में भारी वर्षा की अग्रिम सूचना मिली है और वे इस दुविधा में है कि जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें या भारी विरोध के होते हुए भी राहत कार्य में कुछ मूलभूत सुधार करें।

अगर आप प्रकाश झा की जगह होते तो आप इस समस्या के संबंध में क्या निर्णय लेते और उपर्युक्त समस्या का समाधान किस प्रकार करते? विश्लेषण सहित उत्तर दें। (250 शब्द) 20

Prakash Jha is an Assistant Commissioner in a flood affected state. Heavy rainfall causes water logging and flooding in the rural areas which leads to submersion of crops. A few people exploit the situation to make money. With the dissemination of the news of flood from newspapers and television channels the offices of the Patwaris get flooded with applications for flood relief. Even if only the 10 percent of the village has been affected 95-99 percent of the people apply for flood relief. The most pitiable reality is that the claims are examined only on paper. The employees of the Panchayat and the dominant villagers pressurize the survey team to report as per their wishes. Prakash Jha has received an early warning of heavy rains in the next week and he is in dilemma whether to continue with the prevalent modus operandi or introduce some fundamental reforms in relief work, braving heavy resistance.

If you were in the position of Prakash Jha what would have been your decision and how would you have solved the problem? Answer with explanation. (250 words) 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत केस अध्ययन इस बात का गवाह है कि किस प्रकार किसी सरकारी योजना का उसके मूल उद्देश्यों के विपरीत व्यक्ति स्वार्थ-हितों की पूर्ति के लिये प्रयोग किया जाता है। अन्य समस्या वितरण के

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लक्ष्यों को लेकर भी है।

हितधारक	समस्या
- ग्रामीण किसान - बाढ़ पीड़ित - प्रशासन - पटवारी - दबंग लोग	- कागजी आकलन - ग्रामीण असमानता - योजना के उचित क्रियान्वयन की समस्या
दुविधा	**मूल्य**
. परिणाम बनाम सार	- सत्यनिष्ठा - संवेदना - दृढ़ता - सेवा भावना

दरअसल उपर्युक्त सारी प्रक्रिया में दो विकल्प हैं-

जैसा चल रहा है चलने दें

पक्ष	विपक्ष
- समस्या का तात्कालिक समाधान - बेवजह की उलझन नहीं होगी - लाभ तो मिलेगा ही	- उचित लक्ष्यों का अभाव - प्रशासन में दबंगों का दखल बढ़ेगा - कार्य संस्कृति

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(i) निरंतरता बनी रहेगी
- कागजी आकलन विद्यमान रहेगा।

इस परिस्थिति में विरोध को शांत करने के साथ-साथ वर्तमान अवस्था में निम्न सुधार करूँगा।

~~[struck]~~ (i) सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों को वस्तुस्थिति का जायजा लेने को भेजूंगा। यह भी सुनिश्चित करूँगा कि उसके फोटो आदि भी खींचे जायें। (बाढ़ के पहले)

(ii) दूसरे स्तर पर बाढ़ आने से पहले ही सभी ~~स्तर~~ स्तरों पर पूर्व चेतावनी उपायों का प्रसार करना।

(iii) पटवारी व सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों को वस्तुनिष्ठता का पालन करने का निर्देश देना।

(iv) जहाँ तक दबंगों के दबाव की बात है तो इस काम को निरीक्षकों के साथ पुलिस को भेजकर निदान किया जा सकता है

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) निरीक्षण की तकनीकें जैसे - उपग्रह आधारित तकनीक का प्रयोग पर्यवेक्षण करने हेतु किया जा सकता है।

(vi) आकलन हेतु कागजी कार्यवाही न कर भौतिक आकलन किया जाये। इस हेतु ड्रोन का प्रयोग भी किया जा सकता है।

(vii) सभी निरीक्षक अधिकारियों व पटवारियों की आकस्मिक निरीक्षण व वास्तविक धरातल से आँकड़ों का मिलान किया जाना सुनिश्चित करूँगा।

इन सभी उपायों से सुनिश्चित करूँगा कि व्यवस्था व कार्यसंस्कृति उचित हो साथ ही किसानों को 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिये भी प्रेरित करूँगा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. आप किसी पिछड़े हुए गाँव में डॉक्टर हैं। आपको सरकारी फेलोशिप मिली थी ताकि आप अपनी पढ़ाई को विदेश में जारी रख सकें, लेकिन आपने पिछड़े गाँव के लोगों की सेवा करने का रास्ता चुना। आपको पता चलता है कि इस गाँव में हर साल महामारी आती है, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो जाती है। अतः आपने इस महामारी से निपटने के लिये एक नई दवाई का निर्माण किया है ताकि एक भी व्यक्ति की जान न जा सके। किंतु यह गाँव रूढ़िवादी और परंपराओं से बंधा हुआ है तथा गाँव के व्यक्ति आपकी दवाओं का उपयोग करने से मना कर देते हैं जबकि इन दवाओं का उपयोग इनके स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है ताकि महामारी से बच सकें।

उपर्युक्त प्रकरण में आप क्या निर्णय लेंगे? निर्णय की कारण सहित व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 20

You are a doctor in a backward village. You had received a government fellowship to continue your studies abroad but you have chosen to serve the people of this backward village. You have come to know that every year an epidemic outbreak kills several people in the village. You have invented a new medicine to deal with this epidemic and to prevent deaths caused by it. But this village is tied in conservative beliefs and the people refuse to use your medicine despite it being an essential for their health and a way to defeat the epidemic.

In the above situation what will be your decision? Justify. (250 words) 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत केस यह उदाहरण पेश करता है कि किस प्रकार रूढ़ियाँ एवं परम्पराएँ व्यक्ति को यथास्थितिवादी बना देती हैं एवं नवाचारों व नये आविष्कारों के प्रति तटस्थता ला देती हैं।

उपर्युक्त स्थिति में मैं निर्णय तो यही लूँगा कि किसी भी स्थिति में महामारी से गाँववालों की जान बचा सकूँ क्योंकि मेरा कर्त्तव्य केवल दवा बनाना न होकर 'बीमारियों से रक्षा'

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

करना भी है। इस कारण मैं निम्न स्तर पर कार्य करूँगा।

• ग्रामीण स्तर पर :- गाँव वालों के प्रतिनिधि या सरपंच से बात कर उसे समझाऊँगा कि –

① (क) यदि आप दवाओं को वितरीत करवा देते हैं तो यह आपके पद के अनुकूल है क्योंकि सरपंच होने के नाते ग्रामीण स्वास्थ्य की रक्षा करने का आपका दायित्व है

(ख) ऐसा करने से गाँव वालों का भरोसा आप पर मजबूत होगा जो आगामी चुनाव में भी आपकी मदद कर सकता है।

(ग) स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ विकास होगा।

(घ) बच्चों के हालात के बारे में बताकर उसकी भावनाओं को जागृत करने का प्रयास करूँगा।

② साथ ही, उसे अपनी दवा के सारे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रयोगों, प्रभाविता एवं प्रयोगों की जानकारी दूँगा। अन्य व्यक्ति जिन्हें मुक्त किया गया है, के बारे में भी बताऊँगा, ताकि उसके मन में विश्वास जागृत हो सके।

(3) ऐसा ही प्रयास एक ग्रामीण सभा बुलाकर किया जा सकता है।

(4) गाँव के आँगनवाड़ी केन्द्र में आशा कार्यकर्ताओं की सहयोग लिया जा सकता है ताकि वे महिलाओं को समझा सके।

(2) राज्य के स्तर पर :- मैं अपने उच्चाधिकारियों से बात करूँगा कि वे राज्य के अधिकारियों के सहयोग से -

(क) गाँव में जागरूकता अभियान चलाये।

(ख) किसी प्रगतिशील धार्मिक नेता' का सहारा लिया जाये क्योंकि उसकी बातों का विश्वास वे जल्दी करेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(घ) दवा लेने पर एकबारगी कुछ प्रोत्साहन भी दिया जा सकता है। हालांकि इससे खर्च बढ़ सकता है परन्तु संविधान के अनुच्छेद 21 की रक्षा व ग्रामीणों के जीवन के अधिकार प्रदान करने के राज्य कर्तव्य पालन हेतु आवश्यकतानुसार ये भी किया जा सकता है

(ङ) अन्य स्तर :- अन्य गाँवों के सरपंचों से संपर्क करना
- विद्यालयों के शिक्षकों व प्रगतिशील बच्चों को समझाना आदि।

इन सभी प्रयासों से उम्मीद है कि गाँववालों को राजी करने में मैं सफल हो जाऊँगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

11. आप एक पेशेवर खिलाड़ी हैं और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको इतनी आर्थिक मदद नहीं मिलती है, जिससे आप अपनी तथा परिवार की जरूरतों को पूरा कर सकें। इसका नकारात्मक प्रभाव आपके प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है। इसी क्रम में आपको विपक्षी टीम के प्रशासकों द्वारा फिक्सिंग में सम्मिलित होने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। आपके परिवार की आर्थिक स्थिति लगातार गिरती जा रही है तथा आपके फिक्सिंग में सम्मिलित होने पर एक तरफ जहाँ आपके परिवार के जीवन-स्तर में सुधार होगा, वहीं दूसरी तरफ आपके प्रदर्शन में सुधार हो सकता है और आप एक खिलाड़ी के तौर पर नई उपलब्धियों को पा सकते हैं।

उपर्युक्त प्रकरण में आपके समक्ष कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुण-दोषों को उल्लिखित करते हुए समुचित निष्कर्ष दें। (250 शब्द) 20

You are a professional player but you do not get sufficient remuneration as a player to fulfill your and your family's needs. This also negatively impacts your performance. In this situation you are approached by the managers of opposition team to involve in fixing. Amidst the deteriorating financial condition of your family if you involve in the fixing not only the quality of life of your family but also your performance will improve and you can achieve new feats as a player.

In the above mentioned case what are the options available to you? Explain the pros and cons of each option to reach appropriate conclusion. (250 words) 20

'नियम बनाम परिणाम' के द्वन्द्व को धारण करती यह केस स्टडी यह बताती है कि विकट से विकट परिस्थितियों में भी नैतिकता का पालन कैसे किया जाये और कैसे विभिन्न प्रकार के अभाव व्यक्ति को अनैतिक मार्ग अपनाने की ओर आकर्षित करते हैं।

उपर्युक्त परिस्थिति में मेरे पास निम्न विकल्प है-

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(क) मैच फिक्सिंग में शामिल हो जाऊँ

लाभ	हानि
- परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार	- लाभ को सतत बनाये नहीं रख पाऊँगा।
- उस धन का प्रयोग अपने प्रदर्शन सुधार हेतु कर पाऊँगा	- पकड़े जाने पर सारा धन भी जायेगा और आजीवन प्रतिबंध के साथ जेल भी जाना पड़ सकता है
	- पकड़े जाने का भय मेरे प्रदर्शन में गिरावट भी ला सकता है

(ख) कोई प्रतिक्रिया न दूँ

लाभ	हानि
- मैच फिक्सिंग के दंड के भय से मुक्ति	- खेल की साख के लिये ऐसे तत्वों को दंडित करना ज़रूरी है।
- मानसिक शांति	- कोई निर्णय न लेना मुझे द्वन्द में रखेगा॥

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ग) ऊपरी अधिकारियों को शिकायत करना एवं फिक्सिंग न करना :-

लाभ	हानि
- खेल की साख हेतु आवश्यक	- परिवार की आर्थिक स्थिति
- मानसिक द्वन्द्व नहीं रहेगा। (सबल में वृद्धि)	- स्वयं की उत्कृष्टता हेतु भी धन का अभाव बना रहेगा।
- किसी भी प्रकार के भय से मुक्ति	

① वस्तुतः मैं विकल्प 'ग' का चयन करूँगा। क्योंकि -

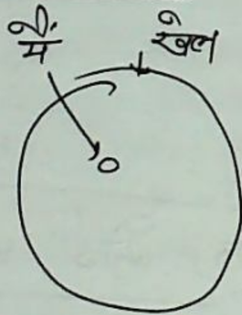

(क) खेल वैश्विक है, जबकि मेरा स्वार्थ व्यक्तिगत है, अपने निजी स्वार्थों हेतु यदि खेल की प्रतिष्ठा खत्म होती है तो → दर्शकों का विश्वास खत्म → खेल का अस्तित्व खतरे में → मेरा अस्तित्व

(ख) दूसरा, फिक्सिंग के लाभों को स्थायी व सतत नहीं बना सकता। आगामी कोई

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जाँच होने पर पकड़ा भी जा सकता हूँ
(ग) हो सकता है मेरे विरोध करने पर मेरे सम्मान में वृद्धि हेतु और इस कारण से मुझे कोई 'प्रायोजक' या 'प्रोत्साहक' मिल जाये।

(घ) परिवार की आर्थिक स्थिति स्थायी नहीं है, यदि मैं मेहनत करूँ तो निश्चित रूप से मेरे प्रदर्शन में सुधार होगा और ऐसा करने पर मैं परिवार के आर्थिक कष्टों का निवारण कर पाऊँगा परन्तु साध्य की पवित्रता मेरे लिये साधन की पवित्रता के साथ ज़रूरी है

अतः मैं उच्चाधिकारियों से शिकायत कर उपर्युक्त जाँच का निवेदन करूँगा ताकि भविष्य में ऐसी गतिविधियाँ रुक सकें। साथ ही खेल की प्रतिष्ठा के साथ मेरी प्रतिष्ठा व सम्मान भी बना रहे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

12. आप किसी शहर में अपने परिवार से दूर रहकर सरकारी सेवा की तैयारी करते हैं तथा आप अपने परिवार में माता-पिता की अकेली संतान हैं। आपको पता चलता है कि आपकी माताजी की तबीयत बहुत खराब हो गई है तथा उनकी देखभाल करने के लिये एक ज़िम्मेदार व्यक्ति की आवश्यकता है। चूँकि, आपके पिताजी को अपने कार्यक्षेत्र में जाना पड़ता है और उनकी नौकरी से आपके परिवार का पालन-पोषण होता है, इन परिस्थितियों में आपके पिताजी आपसे अपनी माताजी की देखभाल करने के लिये कहते हैं। अगले ही कुछ दिनों में आपकी संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षाएँ शुरू होने वाली हैं तथा यह आपका अंतिम अनिवार्य प्रयास है।

इन परिस्थितियों में आपके सामने क्या-क्या विकल्प उपलब्ध हैं। प्रत्येक विकल्प के गुण-दोषों का अवलोकन करते हुए समुचित निष्कर्ष दें। (250 शब्द) 20

You prepare for civil services by staying in a city away from your family and you are the only child of your parents. You came to know that the health of your mother has deteriorated and a responsible person is required to take care of her. Your father has to go to his work and his job is essential to meet the needs of your family. In these circumstances your father asks you to take care of your mother. In the next few days, your Union Public Service Commission main examination is going to start and this is your last attempt.

In the above mentioned case what are the options available to you? Explain the pros and cons of each option to reach appropriate conclusion. (250 words) 20

प्रस्तुत अध्ययन दो 'व्यक्तिगत हितों' के मध्य द्वन्द्व को प्रदर्शित करता है। एक तरफ परिवार का द्वन्द्व है तो दूसरी ओर 'करियर का द्वन्द्व'। इस स्थिति में मेरे पास निम्न विकल्प होंगे।

(क) तैयारी जारी रखूँ व माता के पास किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति कर दूँ?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लाभ	हानि
- मेरी परीक्षा हेतु तैयारी जारी रहेगी - मां की सेवा भी वह व्यक्ति कर पायेगा।	- इस समय माता को भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है जो मेरे जाने पर ही पूरा होगा। - पढ़ाई में भी माता की सेहत का द्वन्द्व बना रहेगा।

(ख) अपनी तैयारी छोड़कर मां की सेवा की जाये।

लाभ	हानि
- मां को भावनात्मक अवलंब मिलेगा। - देखभाल की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। - उचित इलाज करवा पाऊँगा - माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य पालन होगा	- मेरी वर्षों की तैयारी एक झटके में खत्म हो जायेगी। - यह मेरा अंतिम प्रयास है। - आगामी रोजगार की चिंता बनी रहेगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ग) मां की सेवा के साथ तैयारी जारी रखूँ :-

इस विकल्प में हो सकता है कि मेरी तैयारी की गुणवत्ता कुछ कम हो जाये

परंतु -

⊕ सिविल सेवा का एक प्रमुख मूल्य 'सेवा भावना' है। और यदि मैं अपने माता-पिता की सेवा नहीं कर पाता हूँ तो शायद आगे के जीवन में सेवा किस प्रकार कर पाऊँगा।

⊕ 'कांट के नियम' के अनुसार भी मैं उनकी स्थिति में होता तो भी मेरी इच्छा अपने पुत्र के हाथों सेवा करवाने की होती।

⊕ माता की सेवा करने से मुझे मानसिक संतुष्टि मिलेगी और एक स्वस्थ मन से मैं कम समय में ही शायद उतना तो नहीं परन्तु फिर भी संतोषजनक अध्ययन कर पाऊँ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(+) एक अन्य पक्ष यह भी है कि इस प्रकार के कृत्य मुझे साक्षात्कार में भी मदद कर सकते हैं।

(+) मेरे सेवा करने से मां के स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार आयेगा और कुछ समय बाद में मैं किसी देखभाल करने वाले को अवश्य नियुक्त कर सकता हूँ।

(+) और अन्तत: सभी प्रयास करने पर भी मेरा चयन नहीं हो जाता है तो आर्थिक स्तर पर भले ही मुझे नुकसान हो परन्तु चारित्रिक दृष्टि से मेरा उन्नयन ही होगा और मेरे मूल्य सुरक्षित रहेंगे जो कि आगामी जीवन में काम आयेंगे।

अतः तृतीय विकल्प चुनकर मैं अपनी माता की सेवा के साथ अध्ययन का विकल्प चयन करूँगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

13. आप किसी बाल सुधारगृह में कार्यरत अधिकारी हैं। आप इन बालक व बालिकाओं के आचरण में सुधार तथा इनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास करते हैं। लेकिन आपको पता चलता है कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के गठजोड़ से इनको अपराध करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है तथा इनका यौन शोषण किया जाता है। आप इन अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का निर्णय लेते हैं, लेकिन इन व्यक्तियों द्वारा मीडिया में आपके बारे में गलत जानकारी फैला दी जाती है। प्रशासन आपसे उक्त समस्या का जवाब मांगता है।

(a) उक्त प्रकरण में आपके समक्ष कौन-कौन से नैतिक मुद्दे उपस्थित हैं?

(b) नीचे दिये गए विकल्पों के गुण-अवगुण को बताइये-

(i)आप छुट्टी पर चले जाएंगें

(ii)आप अपने उच्चस्थ अधिकारी से इस संबंध में सलाह मांगेंगे और उसका पालन करेंगे।

(iii)आप मीडिया में जाकर अपनी बात को रखेंगे। (250 शब्द) 20

You are working as an officer in a juvenile home. You try to improve the quality of life and conduct of these boys and girls. But you have come to know that with the nexus of some officials and employees they are encouraged to commit crimes and are sexually exploited. You decide to take action on such officers and employees. But they disseminate false information about you in the media. The administration asks for your response on the allegations.

(a) In the above situation, bring out the ethical issues present before you?

(b) Explain the pros and cons of the options given below-

(i) You will go on leave.

(ii) You will ask your senior officer for advice and will follow it.

(iii) You will keep your point in the media. (250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन में विपरीत परिस्थितियों का सामना एक व्यक्ति द्वारा नैतिक मूल्यों को बरकरार रख किस प्रकार किया जाये - जैसे प्रश्न निहित है।

उपर्युक्त केस में मेरे सम्मुख

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रमुख नैतिक मुद्दे इस प्रकार हैं -

(क) अपनी छवि को बचाने का प्रयास करूँ या बालकों / बालिकाओं के हितों की रक्षा करूँ।

(ख) विपरीत परिस्थितियों में चारित्रिक दृढ़ता को बनाये रखने का मुद्दा।

(ग) सत्यनिष्ठा का मुद्दा

(घ) बाल अपराध का मुद्दा

(ङ) कर्त्तव्यपालन का मुद्दा

यदि विकल्पों का चयन किया जाएँ तो उनके गुण - अवगुण निम्न प्रकार है -

① छुट्टी पर जाना

गुण	अवगुण
- समस्याओं से तात्कालिकरूप से बच जाऊँगा।	- ऐसा करने से मेरे निर्दोष होने पर संशय उत्पन्न हो जायेगा
- मीडिया में जवाब देने से बच जाऊँगा	- मेरा कर्त्तव्य है बाल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मानसिक तनाव कम होगा।	अपराधियों पर कार्यवाही कर, उससे विमुख होना गलत है

② उच्चस्थ अधिकारी से सलाह मांगना व निर्देश मानना।

गुण	अवगुण
- विपरीत परिस्थिति में वे उचित सलाह देंगे।	- यह परिस्थिति मेरी है और इसे मेरे द्वारा ही हल किया जाना चाहिये।
- उच्चस्थ अधिकारी का परामर्श मानना उचित भी है	

③ मीडिया में बात रखना

गुण	अवगुण
- मीडिया में निष्पक्ष जाँच का आवेदन कर सकते है साथ ही यह भी बता सकते है कि मैं किसी भी जाँच के लिये तैयार हूँ	- आचार संहिता से टकराव हो सकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस परिस्थिति में मैं निम्न कार्य करूँगा।

(क) प्रशासन को जवाब दूँगा व उनके द्वारा की गई किसी भी जाँच के लिये तैयार रहूँगा व सहयोग दूँगा।

(ख) उन अधिकारियों ~~पर~~ एवं कर्मचारियों पर कार्यवाही जारी रखूँगा। उनके पक्ष में पर्याप्त सबूत जुटाऊँगा एवं बच्चों के बयानों को दर्ज कर उच्चाधिकारियों को दूँगा।

(ग) बच्चों में एक फीडबैक का नोटिस भी लगाया जा सकता है ताकि वे साधारण ही सही, अपना कुछ फीडबैक प्रदान कर सकें।

अतः संस्था में भरोसा रखते हुए मैं हर जाँच में पूरा सहयोग दूँगा साथ ही प्रत्येक दोषी कर्मचारी पर भी कठोरता से कार्यवाही करूँगा ताकि भविष्य में बाल-अपराधियों को कड़ा संदेश जा सके

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. आप किसी ऐसे राज्य के मुख्य सचिव हैं जहाँ पर जहरीली शराब पीने के कारण कुछ लोगों की मृत्यु हो गई। आपको पता है कि 'गरीबी' में नशा (मद्यपान) जैसी प्रवृत्तियाँ गरीबी के दुष्चक्र को और गहरा देती हैं तो वहीं कुछ सामाजिक संगठनों, महिला संगठनों व विपक्ष द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है कि राज्य में शराबबंदी को लागू किया जाए। हाल ही में विभिन्न राज्यों द्वारा शराबबंदी लागू की गई और आपको पता चलता है कि शराबबंदी वाले राज्यों में इससे कुछ दूसरे प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो गईं, जैसे पड़ोसी राज्यों से शराब की अवैध तस्करी जिससे राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला। तो वहीं इससे उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा क्योंकि शराब की बिक्री से प्राप्त आय राज्य के राजस्व का मुख्य स्रोत है जिससे उन राज्यों में अनेक कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने में कठिनाई आ रही है।

उपर्युक्त प्रकरण में आप सरकार को क्या निर्णय लेने का सुझाव देंगे? प्रभावी कारण सहित समुचित निष्कर्ष दें?(250 शब्द) 20

You are the chief secretary of a state where few people have died due to consumption of toxic liquor. You know that alcoholism in poverty deepens the vicious cycle of poverty. There are persistent pressures by some social organizations, women organizations and the opposition for enforcing the prohibition on liquor in the state. You have come to know that the prohibition of alcohol in some states has caused some other types of problems like illegal smuggling of alcohol from neighboring states, which has encouraged corruption in those states. It also has negative impact on the economy of those states because the revenue from the sale of liquor was the main source of revenue for them which helped them in implementation of many welfare programs.

In the above situation, what will be your recommendation to the government? With proper reasoning suggest appropriate conclusion. (250 words) 20

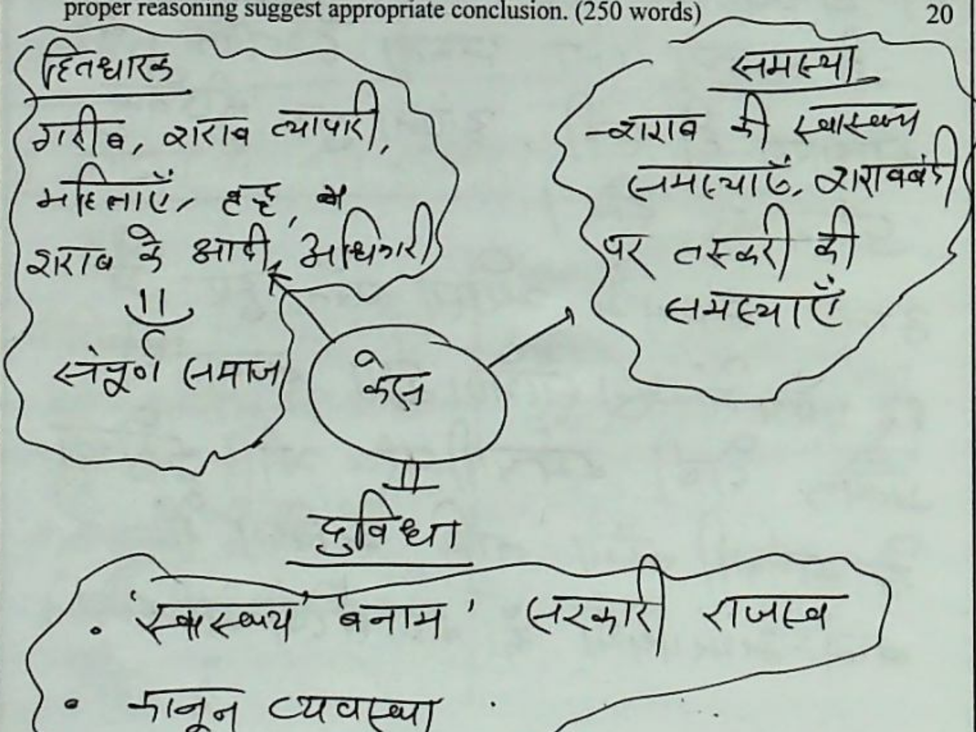

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपर्युक्त केस में मैं सरकार को निम्न सुझाव दूँगा

① शराबबंदी के सन्दर्भ में : मैं सबसे पहले सरकार को शराबबंदी का सुझाव दूँगा क्योंकि -

⊕ शराब से होने वाली मौतें व स्वास्थ्य हानियाँ कम हो जायेंगी।

⊕ शराब के कारण होने वाली दुर्घटनाएँ, चोरी, हिंसा, अपराध में कमी आयेगी। विभिन्न अध्ययनों का हवाला दूँगा जिनमें उन अपराधों के पीछे का कारण शराब को बताया गया है।

⊕ शराबबंदी से शराबी के घर के हालात सुधरेंगे
- महिला शोषण, बाल शोषण कम होगा।
- आय का दुरुपयोग रुकेगा → सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(+) शराब नहीं पीने से उनका संख्यात्मक पक्ष मजबूत होगा। जिससे वे अपने भविष्य के बारे में अच्छे निर्णय ले पायेंगे।

(+) संपूर्ण सामाजिक शांति, सद्भाव व सौहार्द्र में वृद्धि।

(2) तस्करी रोकने हेतु -

→ विभिन्न राज्यों के मध्य सहयोग बढ़ाया जाये।

→ राज्य पुलिस को विभिन्न प्रोत्साहन देकर उचित सीमा प्रबंधन व मुस्तैदी।

- तस्कर कानूनों को कड़ा बनाकर कठोर कार्यवाही करना।

- सामाजिक नियंत्रण (शराबबंदी) हेतु जागरूकता प्रसार करना ताकि शराब का सामाजिक बहिष्कार हो।

- केन्द्र से भी सहयोग किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

③ राजस्व हानि

- तात्कालिक राजस्व हानि हो सकती है।

- किन्तु राजस्व व्यय भी कम होगा

शराबबंदी → स्वास्थ्य हानियाँ कम → सरकार का कम व्यय → **राजस्व व्यय कम**

- तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शराबबंदी से राज्य के श्रमबल की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

→ उत्पादन क्षमता में वृद्धि → उत्पादन वृद्धि → लाभ वृद्धि → उत्पाद शुल्क में वृद्धि → **राज्य की राजस्व वृद्धि**

- साथ ही सामाजिक सुरक्षा पर किये जाने वाले अन्य विभिन्न खर्चों में भी कमी आयेगी।

हालांकि कुछ अपवाद रखे जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सकते हैं जैसे-
(i) आदी - बुर्जुग व्यक्ति डॉक्टर की सलाह से सेवन करे।
(ii) पर्यटकों को सीमित मात्रा में।

इन्हें छोड़कर बाकी शराबबंदी का विकल्प उचित होगा। साथ ही, ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाकर शराब के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति विकसित की जाये।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation